



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 32] नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 7, 1972/माघ 18, 1893

No. 32] NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 7, 1972/MAGHA 18, 1893

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

PUBLIC NOTICES

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 7th February 1972

SUBJECT:—Import from U.S.A. against U.S. Aid licences.

No. 22-ITC(PN)/72.—Attention is invited to the Ministry of Foreign Trade Public Notice No. 174-ITC(PN)/71 dated 15th December 1971 in terms of which importers holding import licences issued under the re-imbursement procedure outlined in the Ministry of Foreign Trade Public Notice No. 19-ITC(PN)/71 dated 22nd February 1971 were permitted to utilise such licence from General Currency Area.

2. It is clarified that the facility given in the Ministry of Foreign Trade Public Notice No. 174-ITC(PN)/71 dated 15th December 1971 would be applicable only to import licences which were issued in terms of Public Notice No. 19-ITC(PN)/71 dated 22nd February 1971 and which were for Rs. 82,500 and less. The holders of licences issued in excess of Rs. 82,500 are not entitled to this facility even though the licences may have been issued in terms of Public Notice No. 10-ITC(PN)/71 dated 22nd February, 1971. Such licence holders should not open further Letters of Credit without specific authorisation by the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance (Deptt. of Economic Affairs,) New Delhi.

विदेश व्यापार मंत्रालय

सार्वजनिक सूचनाएं

आयात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1972

विषय .—संयुक्त राज्य अंतर्राष्ट्रीय विकास अभिकरण लाइसेंसों के मद्दे संयुक्त राज्य अमरीका से आयात ।

सं० 22-आई० टी० सी० (पी०एन०)/72.—विदेश व्यापार मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं० 174-आई-टी-सी (पी-एन)/71, दिनांक 15-12-71 की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है जिसके अनुसार जिन आयातकों के पास विदेश व्यापार मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं० 19-आईटीसी (पी-एन)/71, दिनांक 22-2-71 में दी गई पुनर्पूति प्रक्रिया के अंतर्गत जारी किए गए लाइसेंस थे, उन्हें इस प्रकार के लाइसेंसों का सामान्य मुद्रा क्षेत्र में उपयोग करने की अनुमति दी गई थी।

2. यह स्पष्ट किया जाता है कि विदेश व्यापार मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं० 174-आई-टी-सी (पी.एन.)/71, दिनांक 15-12-71 में दी गई सुविधा केवल उन्हीं आयात लाइसेंसों के लिए लागू होगी जो सार्वजनिक सूचना सं० 19-आई-टी-सी- (पी-एन.)/71, दिनांक 22-2-71 की शर्तों के अनुसार जारी किए गए थे और जिनका मूल्य 82,500 रु० और इससे कम है। वे लाइसेंसधारी जिनके पास 82,500 रु० से अधिक के लाइसेंस हैं, वे इस सुविधा के अधिकारी नहीं होंगे। यहां तक कि वे लाइसेंस सार्वजनिक सूचना 19-आई-टी-सी (पी.एन.)/71, दिनांक 22-2-71 की शर्तों के अनुसार ही क्यों न जारी किए गए हों। ऐसे लाइसेंसधारी को नियंत्रक, लेखा सहायता, वित्त मंत्रालय (अर्थ कार्य विभाग), नई दिल्ली द्वारा विशेष प्राधिकरण के दिनांकव्यय में लाइसेंस की स्थापना नहीं करनी चाहिए।

SUBJECT:—*Import policy for Phthalic Anhydride during April 1971—March 1972 period.*

No. 23-ITC(PN)/72.—Attention is invited to the import policy for Phthalic Anhydride as indicated in Section III of the Import Trade Control Policy (Red Book) Volume—I for the period April, 1971—March, 1972, in terms of which import of this item is canalised through the State Trading Corporation of India for meeting the requirements of actual users and registered exporters.

2. In view of the current availability of Phthalic Anhydride from indigenous production and in order to conserve foreign exchange, the position has been reviewed and it has been decided that no imports of this item shall be made. Accordingly, the State Trading Corporation of India will not hereafter make any allotments of this item to actual users.

3. In the case of registered exporters, however, allotments will be made by the State Trading Corporation from their existing stocks against release orders already issued by the licensing authorities prior to the date of issue of this Public Notice.

4. The import policy for Phthalic Anhydride as given in Volume I and Volume II of the Import Trade Control Policy (Red Book) for 1971-72 may be deemed to have been modified accordingly.

M. M. SEN

Chief Controller of Imports & Exports.

विषय .—अप्रैल, 1971-मार्च 1972 अवधि के दौरान फ्येलिक ऐनहाइडाइड के लिए आयात नीति

सं० 23-आई०टी०सी० (पी०एन०)/72 .—अप्रैल, 1971-मार्च 1972 के लिए आयात व्यापार नियंत्रण नीति (रेड बुक व० 1) के खंड 3 में यथासंकेति फ्येलिक ऐनहाइडाइड के लिए आयात नीति की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है, जिसके अनुसार वास्तविक उपयोक्ताओं और पंजीकृत निर्यातकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए राज्य व्यापार निगम, भारत के माध्यम से इस मद के आयात को सरणीबद्ध किया जाता है ।

2. देसी उत्पादनों से फ्येलिक ऐनोहाइडाइड की वर्तमान उपलब्धता और विदेरी मुद्रा को सुरक्षित रखने को ध्यान में रखते हुए स्थिति की पुनरीक्षा की गई है और यह निश्चय किया है कि इस मद का आयात नहीं किया जाएगा । तदनुसार, राज्य व्यापार निगम, भारत इसके बाद वास्तविक उपयोक्तकों को इस मद का आवंटन नहीं करेगा ।

3. लेकिन, पंजीकृत निर्यातकों के मामले में राज्य व्यापार निगम द्वारा उनके वर्तमान स्टॉक से इस सार्वजनिक सूचना के जारी होने की तारीख से पहले लाइसेंस अधिकारियों द्वारा पहले ही जारी किए निकासी आदेशों के मद्दे इस मद के आवंटन किये जाएंगे ।

4. 1971-72 के लिए आयात व्यापार नियंत्रण नीति (रेड बुक) के वा० 1 और 2 में फ्येलिक ऐनहाइडाइड के लिए यथा प्रदत्त आयात नीति को तदनुसार आशोधित किया गया समझा जाए ।

एम० एम० सैन,
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्वाह ।

